रांची। महेंद्र सहि धोनी ने बल्लेबाजी क्रम में रवचिंद्रन अश्वनि को खुद से ऊपर

भेजकर अपने फैसले से कई लोगों को सकते में डाल दयिा लेकनि चेन्नई सुपरकगि्स के कप्तान ने इस रणनीत का बचाव करते हु कहा क खिलाियों को मैच वजिता में बदलने के लि उन्हें अधकि जम्मिेदारी दि जाने की जरूरत है।

राजस्थान रॉयल्स के 149 रन के लक्ष्य का पीछा करते हु धोनी ने अपने और रवदि्र जडेजा से पहले अश्वनि को बल्लेबाजी क्रम में पांचवें स्थान पर भेजा। अश्वनि ने 16 गेंद में 14 रन की पारी खेली। इसके बाद टीम को जीत दलिाने की जम्मिेदारी धोनी और जडेजा के कंधों पर आ गई जन्िहोंने दो गेंद शेष रहते लक्ष्य हासलि कर लयिा।

धोनी ने मैच के बाद कहा, ‘‘हम उसका इस्तेमाल करना चाहते थे और उसे अधकि जम्मिेदारी देना चाहते थे। उसमें बल्लेबाजी करने की क्षमता है। वह स्ट्राइक रोटेट कर सकता है और फरि स्पनिरों को नशिाना बना सकता है। कुछ हद तक यह काम कर गया। आपको उन्हें मौके देने होंगे। अचानक ही आप उनसे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकते।’’

धोनी ने कहा क कीवोन कूपर पर जडेजा का छक्का अहम था क्योंक इसने उनके ऊपर से दबाव हटा दयिा। उन्होंने कहा, ‘‘जडेजा के ब शॉट से काफी मदद मलिी। इस तरह के वकिेट पर आप 10 या 12 से अधकि रन आसानी से नहीं बना सकते। यह मुश्कलि स्कोर है। गेंदबाजी करते हु हमारे खलिाफ कुछ ऐसे ओवर ग थे।’’

राजस्थान के कप्तान शेन वॉटसन आज पारी की शुरुआत करने उतरे और उन्होंने 51 रन की पारी खेलते हु टूर्नामेंट का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। यह पूछने पर क क्या वह आगे भी पारी का आगाज करते रहेंगे, वॉटसन ने कहा, ‘‘हमें देखना होगा। यह मैच के हालात और इस बात पर नरि्भर करेगा क हम कसिके खलिाफ खेल रहे हैं।’’

ऑस्ट्रेलयिा के इस ऑलराउंडर ने कहा, ‘‘यह करीबी मैच था और इसे कोई भी जीत सकता था। धोनी और जडेजा ने अंत में अच्छा खेल दखिाते हु अपनी टीम को जीत दलिा दी।’’

{loadposition user13}

(भाषा)